|| अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत ||

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र *विश्वविद्यालय,*जलगाँव

स्नातकोत्तर स्तर (एम.ए.) हिन्दी महाविद्यालयीन पाठयक्रम

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रथम वर्ष प्रारंभ जून 2021-2022
द्वितीय वर्ष प्रारंभ जून 2022-23

Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon
Syllabus under CBCS for M. A. (Hindi) College
Syllabus Structure (w. e. f. 2021-22)
Semester I

Course Code	Course Type	Tile of the Course	Contact hours/week			Distribution of Marks for Examination						Credits
						Internal		External		Total		
			Th	Pr	Total	Th	Pr	Th	Pr	Th	Pr	
PG- HIN -101	Core	कथा साहित्य (कहानी एवं उपन्यास)	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -102	Core	आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्यधारा	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -103	Core	भारतीय साहित्यशास्त्र तथा आलोचना	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -104 (A)	Skill Based / Elective	अनुवाद सिध्दांत एवं व्यवहार	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -104 (B)		वैकल्पिक भारतीय साहित्य	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG-AC- 101	Audit Course	Practicing Cleanliness	--	02	02	--	100	--	--	100	100	02

Workload of Sem. I = 22 Lectures per wee

Semester II

Course Code	Course Type	Tile of the Course	Contact hours/week			Distribution of Marks for Examination						Credits
						Internal		External		Total		
			Th	Pr	Total	Th	Pr	Th	Pr	Th	Pr	
PG- HIN -201	Core	**कथेत्तर साहित्य** (निबंध और व्यंग्य)	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -202	Core	**विमर्शमूलक साहित्य** **(दलित एवं आदिवासी विमर्श)**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -203	Core	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा विविध वाद**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -204 (A)	Skill Based / Elective	**पत्रकारिता एवं वेब पत्रकारिता** वैकल्पिक	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -204 (B)		**तुलनात्मक साहित्य**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG-AC 201/202/203/204	Audit Course	Choose one out of four (AC-201/202/203/204) (Personality & Cultural Development Related)	02	--	02	100	--	--	--	100	--	02

Workload of Sem. II= 22 Lectures per week

Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon
Syllabus under CBCS for M. A. (Hindi) College
Syllabus Structure (w. e. f. 2022-23)
Semester III

Course Code	Course Type	Tile of the Course	Contact hours/week			Distribution of Marks for Examination						Credits
						Internal		External		Total		
			Th	Pr	Total	Th	Pr	Th	Pr	Th	Pr	
PG- HIN -301	Core	आधुनिक काव्य **(महाकाव्य और खण्डकाव्य)**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -302	Core	**हिन्दी भाषा तथा भाषा विज्ञान**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -303	Core	**हिंदी साहित्य का इतिहास** (आदिकाल,मध्यकाल और रीतिकाल)	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -304 (A)	Skill Based / Elective	**भाषा प्राद्यौगिकी** वैकल्पिक	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -304 (B)		**लोक साहित्य**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG-HIN-AC-301	Audit Course	Choose one out of four (AC-301/302/303/304) (Technology + Value added course)	02	--	02	100	--	--	--	100	--	02

PG-HIN-AC-301 सर्जनात्मक लेखन (Cretive Writing)

Workload of Sem. III= 22 Lectures per week

Semester IV

Course Code	Course Type	Tile of the Course	Contact hours/week			Distribution of Marks for Examination						Credits
						Internal		External		Total		
			Th	Pr	Total	Th	Pr	Th	Pr	Th	Pr	
PG- HIN -401	Core	**आधुनिक काव्य** **(लंबी कविता और ग़ज़ल)**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -402	Core	**अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -403	Core	**हिंदी साहित्य का इतिहास** (आधुनिक काल)	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -404 (A)	Skill Based / Elective	**विशेष साहित्यकार** **शंकर पुणतांबेकर**	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG- HIN -404 (B)		वैकल्पिक मोहन राकेश	04	--	04	40	--	60	--	100	--	04
PG-HIN-AC-401	Audit Course	Choose one out of four (AC-401/402/403/405) (Professional & Social + Value added course)	02	--	02	100	--	--	--	100	--	02

PG-HIN- AC-401 हिन्दी कम्प्युटींग

Workload of Sem. IV= 22 Lectures per week

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ❖ छात्रों में मानवीय मूल्य एवं संवदेना, सामाजिक समरसता और सौहार्द, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकात्मकता आदि को विकसित करने हेतु हिंदी साहित्य की स्तरीय एवं कालजयी साहित्यिक रचनाओं का पाठयक्रम में समावेश कर छात्रों को उनसे अवगत कराना ।
- ❖ छात्रों को हिंदी भाषा ,भाषा विज्ञान ,भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना,सर्जनात्मक साहित्य तथा लोक साहित्य ,भारतीय साहित्य,तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न प्रकारों एवं साहित्य की भिन्न-भिन्न विधाओं से परिचित करवाना।
- ❖ छात्रों में रोजगार की दृष्टि से विविध कौशल को विकसित करने हेतु उन्हें हिंदी,पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता,साहित्य जगत के साथ-साथ भाषा प्राद्योगिकी, अनूदित साहित्य जैसे विषयों की जानकारी देना।
- ❖ छात्रों में अनुसंधान कौशल को विकसित करने हेतु समुह चर्चा,सर्वेक्षण,प्रकल्प लेखन एवं प्रस्तुतीकरण जैसी गतिविधियों का पाठ्यक्रम में अतंर्भाव किया गया है।
- ❖ छात्रों में अनुसंधान वृत्ति को विकसित करने हेतु उन्हें अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ-साथ चतुर्थ सत्र में अतंर्गत मूल्यांकन हेतु निर्धारित 40 अंक के अंतर्गत प्रकल्प लेखन भी रखा गया है ।
- ❖ छात्रों में विविध कौशल को विकसित करने हेतु हिंदी कम्प्यूटिंग,सर्जनात्मक लेखन,अनूदित साहित्य जैसे प्रश्नपत्रों को पाठयक्रम में रखा गया है ।

पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ :

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष तक रहेगी और स्नातकोत्तर कक्षा (एम.ए.) हिन्दी का पाठ्यक्रम कुल 72 क्रेडिट का है ।
- प्रथम वर्ष (सत्र-Iऔर सत्र-II) के लिए पाठ्यक्रम का प्रारंभ जून 2021-22 से तो द्वितीय वर्ष (सत्र -III और सत्र-IV) के लिए पाठ्यक्रम का प्रारंभ जून 2022 -23 से होगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 04 क्रेडिट और 60 तासिकाएँ निर्धारित है।
- प्रत्येक सत्र में प्रथम 03 प्रश्नपत्र (Core Paper) अनिवार्य रहेंगे और चतुर्थ प्रश्नपत्र के लिए दो विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से किसी एक का चयन छात्रों को करना होगा। छात्रों की उपलब्धता के अनुसार दोनों वैकल्पिक प्रश्नपत्रों को समांतर चलाया जा सकता है।
- उपर्युक्त चार प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त छात्रों को प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एक ऑडिट कोर्स पूर्ण करना अनिवार्य रहेगा ।
- सत्र के अंत में प्रत्येक प्रश्नपत्र की 60 अंकों की अंतिम परीक्षा होगी और चालीस 40 अंक अंतर्गत मूल्यांकन हेतु निर्धारित है | अतंर्गत मूल्यांकन हेतु निर्धारित चालीस (40) अंकों का विभाजन निम्न प्रकार से होगा :

अंतर्गत परीक्षा मूल्यांकन	घटक परीक्षा (Internal Test)	20
	सेमिनार	15
	नियमित उपस्थिति	05
	कुल अंक	40

- ❖ सूचना : अपवाद केवल चतुर्थ सत्र का HIN 402 अनुसंधान प्रविधि का प्रश्नपत्र रहेगा जिसमें अंतर्गत अंक हेतु छात्रों से अनुसंधान विषय से संबंधित एक प्रकल्प लेखन या दो शोध निबंध लिखकर लेना अनिवार्य है।
- ❖ सत्रांत परीक्षा 60 अंकों की होगी जिसका स्वरूप निम्न प्रकार से रहेगा :

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न का स्वरूप	अंक विभाजन
प्रश्न क्रमांक – 01 से 04	प्रत्येक इकाई पर अंतर्गत विकल्प के साथ एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूँछा जाएगा ।	04 X 12= 48
प्रश्न क्रमांक - 05	ससंदर्भ / टिप्पणियाँ लिखिए (चार में दो) जिन प्रश्ननत्रों में साहित्य कृतियाँ लगाई गई हैं उनके चारों ससंदर्भ अंतर्गत विकल्प के साथ साहित्य कृतियाँ पर होंगे और जहाँ साहित्य कृतियाँ नहीं है वहाँ प्रत्येक इकाई पर एक-एक ,ऐसी चार टिप्पणीयाँ पूँछी जाए।	02 X 06=12
	कुल अंक	60

- ❖ ऑडिट कोर्स की अंतिम सौ गुणों की प्रात्यक्षिक/सत्रांत परीक्षा महाविद्यालय के स्तर पर ही संपन्न होगी । संबंधित विषयों के प्रश्नपत्र का स्वरूप विषय से संबंधित आचार्य सुनिश्चित करेंगे । ऑडिट कोर्स पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य रहेगा परंतु इस परीक्षा में प्राप्त गुण स्नातक पदवी के अंतिम गुणपत्रक CGPA में नहीं जोडे जायेंगे, केवल ग्रेड दिया जायेगा।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले बदलावों के अनुसार परीक्षा पध्दति तथा प्रश्नपत्र के स्वरूप में बदलाव किया जाएगा।

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र पाठयक्रम

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG -HIN-101 हिंदी कहानी और उपन्यास

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- कहानी विधा से छात्रों को परिचित कराना ।
- हिंदी साहित्य की श्रेष्ठ कहानीकारों की कहानियों से अवगत कराना ।
- हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना ।
- हिंदी कहानियों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों को संवर्धित करना ।

इकाई - I कहानी विधा :

- परिभाषा ,स्वरूप और मानदण्ड
- हिंदी कहानी विधा के उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय
- हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनका सामान्य परिचय
- हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन सामान्य परिचय ।

इकाई - II कहानी विधा -प्रतिनिधिक हिंदी कहानियाँ

- दुलाईवाली - राजेन्द्रबाला घोष (बंग महिला)
- राही - सुभद्राकुमारी चौहान
- ईदगाह -प्रेमचंद
- उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- गूँगे- रांगेय राघव
- सफदर – राहुल सांस्कृत्यायन
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
- तीसरी कसम -फणीश्वरनाथ रेणु
- सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
- परिंदे - निर्मल वर्मा

इकाई - III उपन्यास विधा :

- परिभाषा ,स्वरूप और मानदण्ड ,
- उपन्यास विधा के उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय,
- हिंदी के प्रमुख उपन्यासकार तथा उनका सामान्य परिचय,
- हिंदी उपन्यासों की विविध धाराओं का सामान्य परिचय : सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी,समाजवादी अथवा राजनीतिक, ऐतिहासिक और आँचलिक आदि ।

इकाई - IV उपन्यास विधा - प्रातिनिधिक उपन्यास :- धरती धन न अपना – जगदीश चन्द्र

तृतीय संस्करण 2020

आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली

- सहायक ग्रंथ सूची :-

१. उपन्यास तत्व एवं रूप विधान -श्री.नारायण अग्निहोत्री

२. हिंदी उपन्यास शिल्प और प्रयोग-डॉ.त्रिभुवन सिंह

३. आधुनिक उपन्यासों में वस्तुविन्यास- डॉ.सरोजिनी त्रिपाठी

४. आज का हिंदी उपन्यास -डॉ.इंद्रनाथ मदान

५. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र

६. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास- डॉ.सुरेश सिन्हा

७. आधुनिक उपन्यास विविध आयाम-डॉ.विवेकी राय

८. प्रेमचंदोत्तर उपन्यसों की शिल्प विधि-डॉ.सत्यपाल चुघ

९. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास -डॉ.धनराज मानधने

१०. समकालीन हिंदी उपन्यास कथ्य विश्लेषण-डॉ.प्रेमकुमार

११. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ- डॉ.करूणाशंकर उपाध्याय

१२. नई कहानी का स्वरूप विवेचन-डॉ.इंदु रश्मि

१३. **निर्मल वर्मा के कहानियों में व्यक्त चिंतन – डॉ.राजेन्द्र जाधव**

१४. अमरकांत का कथा साहित्य कथ्य एवं शिल्प – डॉ.योगेश गोकुळ पाटील

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-
    - कहानी विधा से छात्रों को परिचित हुए।
    - हिंदी साहित्य की श्रेष्ठ कहानीकारों की कहानियों से अवगत हुए ।
    - हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास हुआ।
    - हिंदी कहानियों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों के संदर्भ में जागृती निर्माण हुई ।

--- ||| ---

एम.ए.हिन्दी : प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG - HIN-102 आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य धारा

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का सामान्य परिचय करना।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य के विकासात्मक परिचय से अवगत करना ।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों के विकास को जानना ।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान को स्पष्ट करना।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य की प्रातिनिधिक रचनाओं का अध्ययन करना ।

इकाई - I आदिकालीन काव्य धारा : प्रातिनिधिक प्रमुख कवि : जीवन एवं रचना परिचय तथा उनकी प्रातिनिधिक रचना

- अमीर खुसरो – साहित्यिक योगदान पहेलियाँ /मुकरियाँ और दोहों के विशेष संदर्भ में
- विद्यापति की पदावली (संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी , लोकभारती प्रकाशन पटना)

अध्ययनार्थ पद छंद : 01,07,12,18,32

इकाई - II भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा : प्रातिनिधिक प्रमुख कवि : जीवन एवं रचना परिचय तथा उनकी प्रातिनिधिक रचना

- **कबीर – (आलोचनात्मक पुस्तक) डॉ.हजारीप्रसाद व्दिवेदी**

अध्ययनार्थ पद : 87,163,213,250,252

- **जायसी ग्रंथावली (संपादक रामचंद्र शुक्ल) नागमती वियोग खण्ड -बारहमासा वर्णन**

अध्ययनार्थ माह के पद : असाढ़,सावन,भादों,कुआर,कातिक,अगहन,पूस,माह,फागुन,चैत,बैसाख और जेठ

इकाई - III भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा : प्रातिनिधिक प्रमुख कवि : जीवन एवं रचना परिचय तथा उनकी प्रातिनिधिक रचना

- सूरदास – भ्रमरगीत सार संपादक रामचंद्र शुक्ल

अध्ययनार्थ पद : (आरंभिक पाँच पद)

- **तुलसीदास-रामचतिमानस उत्तर काण्ड - हनुमान प्रसाद पोतदार गीता प्रेसा गोरखपुर**

अध्ययनार्थ मुद्दे : मंगलाचरण ,भरत विवाह तथा भरत हनुमान मिलन , आयोध्या में आनंद आदि से संबंधित दोहे और छप्पय ।

इकाई : IV रीतिकालीन काव्यधारा : प्रातिनिधिक प्रमुख कवि : जीवन एवं रचना परिचय तथा उनकी प्रातिनिधिक रचना

- **भूषण : संक्षिप्त भूषण (संपादक भगवानदास तिवारी) साहित्य भवन प्रा.लि. जी.रोड इलाहाबाद**

अध्ययनार्थ छंद संख्या : 17,26.28,30,41 **(कूल 05 छंद)**

- **बिहारी : बिहारी प्रकाश – विश्वनाथप्रसाद मिश्र**

अध्ययनार्थ दोहे : क्र.01,02,08,19,27,35,38,43,44,47

- **घनानन्द : घनान्द कवित्त (संपादक विश्वनाथ मिश्र)**

अध्ययनार्थ कवित्त संख्या :

- **सहायक ग्रंथों सूची :**

१. पदमावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
२.मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य- डॉ.शिवसहाय पाठक
३.जायसी ग्रंथावली (भूमिका)- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
४.गोस्वामी संत तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
५. संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ- डॉ. सुनील कुलकर्णी
६.गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य विश्वनाथ मिश्र
७.तुलसी दर्शन-डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र
८.सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण- डॉ.विश्वनाथ उपाध्याय
९. सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरवंशलाल शर्मा
१०.भ्रमरगीत का काव्यवैभव- डॉ. मनमोहन गौतम
११. कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील चेतना- डॉ. सुनील कुलकर्णी
१२. वर्तमान परिवेश में भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता- डॉ. बापूराव देसाई
१३.मध्ययुगीन काव्य के आधारस्तम्भ - डॉ. तेजपाल चौधरी
१४. कबीर एक पुनर्मूल्यांकन-सं. बलदेव वंशी
१५. विद्यापती पदावली-रामवृक्ष बेनीपूरी
१६. विद्यापती -आनंदप्रकाश दीक्षित
१७. मैथिली कोकिल विद्यापती- डॉ. कृष्णदेव धारी
१८.कालजयी संत तुलसीदास- मनीष प्रकाशन प्लॉट नं-२६ रोहित नगर कॉलोनी,बी.एच.यू.वाराणसी
१९.तुलसी काव्य के विविध आयाम -प्रकाशक-बी.३३/३३ए.१-न्यु साकेत कॉलोनी,बी.एच.यू.वाराणसी-लेखक- डॉ.उमापति दीक्षित
२०. आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवि यों का आलोचनात्मक पाठ –हेमंत कुकरेती
२१. षट्कवि विवेचनात्मक अध्ययन : प्रथम और व्दितीय खण्ड डॉ.ओम प्रकाश शर्मा
२२. सूरदास एक पुनरावलोकन - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा
२३. मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता – डॉ.कृष्णा पोतदार
२४. कबीर सृष्टि आक्र दृष्टि – डॉ. शि वाजी देवरे/ डॉ.भाऊसाहेब परदेशी
२५. मध्ययुगीन काव्य के आधारस्तंभ- डॉ.तेजपाल चौधरी
२६. भक्ति काव्य की प्रासंगिकता – डॉ. संजय शर्मा
२७. समरसता के अग्रदूत संत कवि – डॉ.सुनील कुलकर्णी
२८. भारतीय भक्ति साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता – डॉ. सुनील कुलकर्णी

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - ❖ उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-
  - ❖ मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी काव्य से छात्र अवगत हुए ।
  - ❖ मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य के विकासात्मक परिचय से छात्र भली-भाँति परिचित हुए ।
  - ❖ छात्रों ने मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों के विकास को जाना ।
  - ❖ मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी कवियों के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान को समझकर छात्रों में उनके साहित्य की प्रासंगिकता को जानने की दृष्टि विकसित की ।
  - ❖ आधुनिक विधा खण्डकाव्य के सैंध्दांतिक विवेचन को छात्रों ने समझा।

---------- ॥॥ ----------

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN- 103 भारतीय साहित्यशास्त्र तथा आलोचना

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ भारतीय साहित्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना ।
- ✓ साहित्यशास्त्र के लक्षण,हेतु और प्रयोजन के बारे में छात्रों को अवगत कराना ।
- ✓ भारतीय साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों से परिचित करना ।
- ✓ हिन्दी आलोचना का सामान्य परिचय प्राप्त कर हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना का अध्ययन करना ।

इकाई - I रस एवं अलंकार सिद्धांत :

रस का स्वरूप,भरतमुनि के रस निष्पत्ति विषयक सूत्र संबंधी विविध आचार्यों का मत,साधारणीकरण सिद्धांत । अलंकार सिद्धांत : अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति,परिभाषा,स्वरूप,प्रकार और काव्य में अंलकार का स्थान |

इकाई - II ध्वनि और रीति सिद्धांत : -

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति,अर्थ,परिभाषा,ध्वनि और स्फोट ध्वनि में अंतर और ध्वनि के प्रमुख भेद। | रीति शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीति भेदों के आधार, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली |

इकाई - III वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत :

वक्रोक्ति शब्द की व्युत्पत्ति,अर्थ,परिभाषा,कुतंकपूर्व वक्रोक्ति सिद्धांत ,वक्रोक्ति का स्वरूप,वक्रोक्ति के प्रमुख भेद, काव्य में वक्रोक्ति का महत्व, औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप और काव्य में औचित्य का स्थान |

इकाई - IV हिन्दी आलोचना :

हिन्दी आलोचना स्वरूप एवं विकास, आलोचना के प्रमुख प्रकार, प्रमुख हिंदी आलोचकों का सामान्य परिचय : - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी , आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी , डॉ.नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह |

- सहायक ग्रंथों की सूची :

१. काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र
२. रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण- डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
३.भारतीय साहित्य - आचार्य बलदेव उपाध्याय
४. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
५.भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. कृष्णदेव शर्मा
६.रस मीमांसा- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
७.औचित्य विमर्श- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
८. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड- डॉ. रामसागर त्रिपाठी
९. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत- डॉ. सुरेश अग्रवाल
१०. काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड- डॉ. वासंती सालवेकर / डॉ.उर्मिला पाटील
११. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. गोविन्द कुमार टी. बेकरीया.
१२.वक्रोति सिद्धान्त और सूर का काव्य- डॉ. शिवप्रसाद मिश्र
१३.भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. सत्यदेव चौधरी /शांतिस्वरूप गुप्त
१४. उदात्त के विषय में - डॉ. निर्मला जैन
१५. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - डॉ. निर्मला जैन
१६.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. तेजपाल चौधरी
१७.वक्रोति सिद्धान्त और सूर का काव्य- डॉ. शिवप्रसाद मिश्र
१८. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र -डॉ.रामकुमार वर्मा

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
    - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-

        १. छात्रों ने भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त किया ।
        २. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतो से छात्र अवगत हुए ।
        ३.हिंदी आलोचना से अवगत होकर छात्रों ने हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचनाओं का अध्ययन किया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

प्रथम *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम /कौशल विकास संवर्धन (Elective Course: Skill Based/)

PG-HIN - 104 (A) अनूदित साहित्य सिध्दांत एवं व्यवहार

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ अनुवाद का सैध्दांतिक विवेचन करना।
- ✓ अनूदित साहित्य के सिध्दांत एवं व्यवहार को समझाना।
- ✓ हिन्दी मराठी तथा हिन्दी और और तमील साहित्य के अनूदित साहित्य का अन्त : संबंध स्पष्ट करना।
- ✓ हिन्दी -मराठी तथा हिन्दी और तमील साहित्य में स्थित साम्य भेदों का विवेचन करना।
- ✓ मराठी से हिन्दी में तथा तमील से हिन्दी में अनूदित साहित्य का विकासात्मक परिचय देना।
- ✓ मराठी से हिन्दी में तथा तमील से हिन्दी में अनूदित साहित्य कृतियों के माध्यम से दो भाषाओं,प्रदेशों की सांस्कृतिक परंपरा को जानना और समझना।

इकाई -I अनुवाद :-

- अनुवाद : परिभाषा ।
- अनुवाद की विशेषताएँ ।
- अनुवाद के प्रकार।
- अनुवादक के गुण
- अनुवाद : समस्याएँ और समाधान ।

इकाई -II अनूदित साहित्य :-

- अनुवाद : विज्ञान अथवा कला ।
- अनुवाद का महत्व ।
- अनुवाद की प्रक्रिया प्रविधि और सिध्दांत ।
- अनुवाद के उपकरण ।
- अनुवाद की विभिन्न शैलियाँ ।

इकाई -III प्रातिनिधिक अनूदित साहित्य कृति - उपन्यास विधा (मराठी से हिंदी)

- **सनातन (अनूदित उपन्यास) – शरणकुमार निबांळे अनुवाद पदमजा घोरपडे**
  वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

इकाई -IV प्रातिनिधिक अनूदित साहित्य कृति - कहानी विधा *(तमील से हिन्दी)*

अधूरे मनुष्य – डी. जयकान्तन , (अनूदित कहानी संकलन) हिन्दी रूपांतरण डॉ.के.ए.जमुना
भारतीय ज्ञानपीठ,नई दिल्ली

सूचना : प्रस्तुत संकलन की अग्नि प्रवेश,पूरब और पश्चिम, अंत:करण पवित्र होता है इन तीन कहानियों को छोड़कर अन्य आँठों कहानियाँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं।

- **सहायक संदर्भ सूची :**

१. हिन्दी में अनूदित मराठी दलित आत्मकथा- डॉ. गोरख काकडे
२. हिन्दी और मराठी का श्रृंगारकाल- डॉ. इंद्र पवार
३. हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ-मिर्जा असदबेग रूस्तुम बेग
४.प्रादेशिक भाषा और साहित्य इतिहास- डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
५.हिन्दी तथा मराठी उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन- शांतिस्वरूप गुप्त
६.भारतीय साहित्य- डॉ. ब्रजकिशोरप्रसाद सिंह
७.आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास- डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
८.अनुवाद समस्याएँ और संदर्भ-सं. बलवंत जेउक्र
९. प्रेमचंद और हरिनारायण आपटे के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. कुमारी प्रमिला गुप्त

१०. प्रादेशिक भाषा साहित्य :मराठी पहचान और परख- गुलाबराव हाडे
११.हिन्दी और मराठी दलित साहित्य: एक मूल्याकंन - सुनीता साखरे
१२. हिन्दी साहित्य में दलित अस्मिता- स्नेही कालीचरण
१३. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य -इन्द्रनाथ चौधुरी
१४.अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत एवं प्रविधि - भोलानाथ तिवारी
१५. प्रयोजनमूल हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
१६.हिंदी-मराठी का अनूदित साहित्य-डॉ.सुधाकर शेंडगे

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-
    - ✓ अनुवाद का सैध्दांतिक विवेचन करना।
    - ✓ अनूदित साहित्य के सिध्दांत एवं व्यवहार को समझाना।
    - ✓ हिन्दी मराठी साहित्य के तथा हिन्दी और तमील साहित्य के अन्त : संबंध से छात्र परिचित हुए ।
    - ✓ हिन्दी –मराठी तथा हिन्दी और तमील के साहित्य में स्थित साम्य भेदों को छात्रों ने जाना |
    - ✓ छात्रों को मराठी से हिन्दी में तथा तमील से हिन्दी में अनूदित साहित्य का विकासात्मक परिचय हुआ |

---------- ॥॥ ----------

एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

वैकल्पिक पाठ्यक्रम / कौशल विकास संवर्धन (Elective Course/Skill Based)

PG- **HIN - 104** (B) **भारतीय साहित्य**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ राष्ट्रीयता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य से अवगत करना |
- ✓ भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य का परिचय करना |
- ✓ सांस्कृतिक ,सामाजिक तथा भौगोलिक परिवेश में भारतीय साहित्य के मूल्यांकन के विविध दृष्टिकोण छात्रों में विकसित करना |

इकाई - I

- भारतीय साहित्य का स्वरूप
- भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव,
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता,
- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

इकाई - II

- भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त जीवनमूल्य एवं वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा
- भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता
- भारतीय साहित्य पर महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद का प्रभाव
- भारतीय साहित्य पर महर्षि अरविंद तथा डॉ .बाबा साहब अम्बेड़कर.का प्रभाव

इकाई - III प्रातिनिधिक पाठ्यपुस्तक आधुनिक भारतीय कविता – सम्पादक डॉ. अवधेश नारायण मिश्र/ डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय
प्रकाशक - विश्वविद्यालय,प्रकाशन,वाराणसी

उपर्युक्त सम्पादित संकलन में संकलित निम्न भाषा के निम्न कवियों की निम्न कविताएँ अध्ययनार्थ रखी गई है :-

- **बांग्ला : 1. रवींद्रनाथ टैगोर - जहाँ चि त्त भय शून्य , 2. काज़ी नजरुल – किसका है यह देश ?**
- **असमिया : 3. नवकांत बारुवा- धनशिरी के लिए दो स्तबक 4. हीरेन भट्टाचार्य – अनाज ही सत्य है तुम अनाज की मिसाल हो**
- **ओड़ियॉ : 5. रमाकांत रथ – इच्छा न हो तो भी 6. हरप्रसाद शास्त्री- कविता के विरूध्द कविता**
- **तमिल : 7. सुब्रमण्य भारती- स्वतंत्रता 8. वैरमुत्तु – भूमि पर आए नव शताब्द हे !**
- **गुजराती : 9. उमाशंकर जोशी- छोटा मेरा खेत 10. सितांशु यशचंद्र- आर्शीवाद**
- **मराठी : 11. कुसुमाग्रज – पृथ्वी का प्रेमगीत 12. नारायण सुर्वे - हमारे शब्द**

इकाई - IV प्रातिनिधिक पाठ्यपुस्तक : नागमंडल : गिरीश कर्नाड (नाटक)
भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली

- **सहायक ग्रंथ सूची :-**

१. भारतीय साहित्य -डॉ.नगेन्द्र
२. . भारतीय साहित्य -डॉ.रामछबीला त्रिपाठी
३. भारतीय साहित्य - डॉ.मूलचंद गौतम
४. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ - डॉ.प्रदीप श्रीधर
५. भारतीय साहित्य कोश (चार खण्ड) संपादक - सुरेश गौतम/वीणा गौतम
६. भारतीय साहित्य की अवधारणा - डॉ.राजेन्द्र मिश्र
७. भारतीय साहित्य तुलनात्मक अध्ययन- इन्द्रनाथ चौधरी
८. भारतीय दर्शन- डॉ. उमेश मिश्रा
९.भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव- सं.डॉ.नगेन्द्र
१०.भारतीय समाज में नारी- सं. रमा शर्मा / एम. के मिश्रा

११. भारतीय संत परंपरा- बलदेव बंशी

१२.भारतीय साहित्य में धर्म और दर्शन के आयाम- सं. डॉ. सैय्यद मेहरून

१३.भारतीय भक्ति साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता – डॉ. सुनील कुलकर्णी

१४. किस प्रकार की है यह भारतीयता ? यू.आर.अनंतमर्ति संकलन

१५. भारतीय उपन्यास : कथासार : 1-2 प्रभाकर माचवे

१६. भारतीय साहित्य एवं साहित्यकार : अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – प्रो.डॉ. शशिकांत सोनवणे

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

- उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-
  १. राष्ट्रीयता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त विविध संकल्पनाओं से छात्रा अवगत हुए|
  २. भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य की अनेक महत्वपूर्ण रचनाओं से छात्र परिचित हुए|
  ३. सांस्कृतिक ,सामाजिक तथा भौगोलिक परिवेश में भारतीय साहित्य के मूल्यांकन के विविध दृष्टिकोन छात्रों में विकसित हुए|

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

द्वितीय *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN-201 कथेत्तर साहित्य (निबंध और व्यंग्य साहित्य)

पाठयक्रम का उददेश्य

- ✓ कथेत्तर साहित्य का सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत कराना।
- ✓ निबंध साहित्य का विकासात्मक परिचय कराना।
- ✓ व्यंग्य साहित्य का विकासात्मक परिचय कराना।
- ✓ व्यंग्य साहित्य का विकासात्मक परिचय कराना।
- ✓ निबंध, और व्यंग्य साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन करना।

इकाई – I निबंध साहित्य : सैध्दांतिक विवेचन

- निबंध साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन
- हिन्दी निबंध का उदभव एवं विकास
- हिन्दी निबंधों के प्रमुख प्रकार एवं विशेषताएँ
- प्रमुख निबंधकारों का सामान्य परिचय

इकाई- II प्रातिनिधिक हिन्दी निबंध :-

- शिवमूर्ति : प्रतापनारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिटठे : बालकृष्ण भटट
- कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद व्दिवेदी
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र
- मजदूरी और प्रेम : अध्यापक पूर्ण सिंह
- संस्कृति और सौंदर्य : डॉ नामवर सिंह
- रामकथा की सांस्कृतिक यात्रा : श्रीराम परिहार

इकाई – III व्यंग्य साहित्य : सैध्दांतिक विवेचन

- व्यंग्य साहित्य :शब्दगत व्युत्पत्ति, परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन
- व्यंग्य से संबंधित शब्दावली तथा व्यंग्य के प्रमुख तत्व
- हिन्दी व्यंग्य साहित्य उदभव एवं विकास
- प्रमुख हिन्दी व्यंग्य साहित्यकारों का सामान्य परिचय

इकाई – IV प्रातिनिधिक हिन्दी व्यंग्य संकलन :- उत्कृष्ट व्यंग्य रचनाएँ – (भाग -1) - प्रेम जनमेजय
यश पब्लिकेशंस नई दिल्ली 110032

- स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- मोटेराम जी शास्त्री- प्रेमचंद
- मेरा मकान –गुलाबराय
- बनारस में पिगसन -बेढब बनारसी
- मैं लेखक से प्रकाशक क्यों बना ? –पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
- अकाल उत्सव- हरिशंकर परसाई
- जीप पर सवार इल्लियाँ-शरद जोशी
- जूते सिलवाते हुए – लतीफ घोंघी

❖ संदर्भ ग्रंथ सूची :

- छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिन्दी के प्रतिनिधिक निबंधकार – डॉ.व्दारिकाप्रसाद सक्सेना
- हिन्दी निबंधों का शैलीगत अध्ययन – डॉ.मु.ब.शहा
- प्रतिनिधिक हिन्दी निबंधकार – डॉ हरि मोहन
- उत्कृष्ट व्यंग्य रचनाएँ – (भाग -1) - प्रेम जनमेजय
- उत्कृष्ट व्यंग्य रचनाएँ – (भाग -2) - प्रेम जनमेजय
- व्यंग्य चिंतना और शंकर पुणतांबेकर- डॉ.सुरेश माहेश्वरी
- हिन्दी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योंगदान-प्रा.अनुपमा प्रभुणे
- स्वातंत्र्योत्तर हि न्दी व्यंग्य निबंध –डॉ.शशि मिश्रा
- शंकर पुणतांबेकर (शोध प्रबंध) - डॉ.मीना भंडारी,कल्याण
- व्यंग्य के परिप्रेक्ष्य में शंकर पुणतांबेकर के साहि त्य का मूल्यांकन (शोध प्रबंध) -डॉ.जितेन्द्र नाना कोले
- शैलीकार डॉ.शंकर पुणतांबेकर –डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

❖ पाठयक्रम की उपादेयता :

- कथेत्तर साहित्य के सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत किया गया।
- निबंध साहित्य का विकासात्मक परिचय दिया गया ।
- व्यंग्य साहित्य विधा का सैध्दांतिक परिचय प्राप्त हुआ।
- व्यंग्य साहित्य विधा का विकासात्मक परिचय प्राप्त हुआ ।
- निबंध, और व्यंग्य साहित्य की प्रतिनिधिक रचनाओं का अध्ययन किया गया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

द्वितीय *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN-202 विमर्शमूलक साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ समकालीन साहित्य विमर्श में दलित विमर्श के सैद्धांतिक पृष्टभूमि पर प्रकाश डालना |
- ✓ समकालीन साहित्य विमर्श में आदिवासी विमर्श के योगदान को स्पष्ट करना |
- ✓ दलित विमर्श के प्रातिनिधिक कहानी संकलन का अध्ययन करना |
- ✓ आदिवासी विमर्श के प्रातिनिधिक उपन्यास का विवेचन एवं विश्लेषण की बहुविध संकल्पनाओं को विशद करना |

इकाई-I दलित विमर्श : सैध्दांतिक विवेचन

- दलित विमर्श : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- दलित विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि
- दलित विमर्श की मूल प्रवृत्तियाँ
- हिन्दी दलित साहित्य का विकासात्मक परिचय
- हिन्दी दलित साहित्य : प्रेरणा और प्रभाव ।

इकाई-II दलित विमर्श प्रातिनिधिक रचना

- दलित विमर्श : दलित कहानी संचयन - सम्पादन रमणिका गुप्ता (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)

पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित कहानियाँ :-

- ओमप्रकाश वाल्मीकि -पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मोहनदास नैमिशराय - अपना गाँव
- जयप्रकाश कर्दम -नो बार
- सुशीला टाकभौरे -सिलिया
- श्यौराज सिंह बेचैन - अस्थियों के अक्षर
- प्रल्हाद चंद्र दास- लटकी हुई शर्त
- रत्न कुमार सांभरिया - फुलवा
- कावेरी- सुमंगली

इकाई -III आदिवासी विमर्श : सैध्दांतिक विवेचन

- आदिवासी विमर्श :अर्थ , परिभाषा और स्वरूप
- आदिवासी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
- आदिवासी समाज : समसामायिक समस्याएँ और विकास नीति
- हिन्दी साहित्य में आदिवासी संस्कृति के चित्रण परंपरा : विकासात्मक परिचय

इकाई -IV आदिवासी विमर्श : प्रतिनिधिक रचना :

अग्निगर्भ –महाश्वेतादेवी
आदिवासी संघर्ष की महागाथा
राधाकृष्ण पेपरबैक्स,नई दिल्ली

- **सहायक संदर्भ सूची :**

१. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास -चार खण्ड - मोहनदास नैमिशराय
२. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष और यथार्थ - ओमप्रकाश वाल्मीकि
३. दलित साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास- डॉ. बापूराव देसाई
४.दलित साहित्य स्वरूप और संवदेनाएँ - डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
५. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श- सं. डॉ.शिवाजी देवरे
६. भारतीय दलित साहित्य - संपादन शरणकुमार लिंबाले
७. मुख्यधारा और दलित साहित्य -ओमप्रकाश वाल्मीकि
८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
९. दलित विमर्श की भूमिका -सं.कंवल भारती
१०.इक्कीसवीं सदी में दलित चिंतन - डॉ. जयप्रकाश कर्दम
११. दलित साहित्य एक मूल्यांकन - प्रो चमनलाल

१२. आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता

१३. आदिवासी : शौर्य एवं विद्रोह –सं रमणिका गुप्ता

१४. उत्तर औपनिवेशीकता के स्त्रोत और हिन्दी साहित्य-प्रणय कृष्ण

१५.हिन्दी साहित्य : नव विमर्श- डॉ.पंड्या

१६. समकालीन साहित्य विमर्श- डॉ. सुनील कुलकर्णी

१७.आदिवासी विमर्श केन्द्रीत हिन्दी साहित्य-सं. डॉ. उषाकीर्ति राणावत

१८. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी- सं. रमणिका गुप्ता

१९आदिवासी लोक भाग-१ और २ - सं. रमणिका गुप्ता

२०. दलित समस्या की राजनीति-ब्रजकुमार पाण्डेय

२१.हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श- डॉ. पं.बन्ने

२२.दलित दर्शन - रमणिका गुप्ता /ज्ञान सिंह बल

२३.दलित विमर्श -डॉ.धीरज भाई वणक

२४. आदिवासी विकास से वि स्थापन- सं. रमणिका गुप्ता

२५. आदिवासी कौन - सं. रमणिका गुप्ता

२६. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श – डॉ.शि वाजी देवरे/डॉ.मधु खराटे

२७. आदिवासी लोक साहित्य – डॉ.गौतम कुंवर

२८. आदिवासी केन्द्रित हिन्दी उपन्यास – डॉ.प्रमोद चौधरी

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-
    १.समकालीन साहित्य विमर्श में दलित विमर्श के सैद्धांतिक पृष्टभूमि को छात्रों ने समझा |
    २.समकालीन साहित्य विमर्श में आदिवासी विमर्श के योगदान को छात्रों ने आत्मसात किया |
    ३.दलित विमर्श के प्रातिनिधि कहानी संकलन का अध्ययन किया |
    ४. आदिवासी विमर्श के प्रातिनिधिक आत्मकथा का विवेचन एवं विश्लेषण की बहुविध संकल्पनाओं को छात्रों ने जाना |

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

द्वितीय *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN- 203 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा विविध वाद

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय समझाना।
- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय देना।
- ✓ पाश्चात्य काव्य समीक्षा के आधुनातन आयामों को स्पष्ट करना।
- ✓ पाश्चात्य काव्य समीक्षकों का सामान्य परिचय करना ।

इकाई - I

- ○ प्लेटो काव्य संबंधी मान्यताएँ
- ○ अरस्तू अनुकरण संबंधी विचार
- ○ अरस्तू का विरेचन सिध्दांत
- ○ लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा ।

इकाई - II

- ○ कॉलरिज - कल्पना और फैन्टेसी
- ○ क्रोचे - अभिव्यंजनावाद
- ○ टी.एस. इलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- ○ टी.एस. इलियट - वस्तुनिष्ट प्रतिरूपता और व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण

इकाई – III

- ○ आई.ए.रिचडर्स- मूल्य सिध्दांत
- ○ आई.ए.रिचडर्स- सम्प्रेषण सिध्दांत
- ○ कलावाद
- ○ यथार्थवाद

इकाई - IV विविध वाद :-

- ○ प्रतीकवाद
- ○ बिम्बवाद
- ○ अस्तित्ववाद
- ○ संरचनावाद

- ▪ **सहायक ग्रंथों सूची :**

१. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, एवं प्राच्य काव्यशास्त्र- गोपीचंद नारंग
२. अरस्तू का काव्यशास्त्र- डॉ. नगेंन्द्र
३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- देवेंद्रनाथ शर्मा
४. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. सत्यदेव चौधरी /शांतिस्वरूप गुप्त
५. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड- डॉ. रामसागर त्रिपाठी
६. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र- डॉ. गोविन्द कुमार टी. बेकरीया.
७. पाश्चात्य साहित्य चिंतन- निर्मला जैन
८. रिचर्डस् के आलोचना सिद्धांत- डॉ. शंभूनाथ झा
१०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. तारकनाथ बाली
११. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्ययशास्त्र - डॉ.रामकुमार वर्मा
१२. पाश्चत्य काव्यशास्त्र- डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त

१३. पाश्चत्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद- डॉ. भगीरथ मिश्र |

१४. पाश्चात्य साहित्य सिध्दांत विवेचन - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

१५. साहित्य विविध वाद - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

- पाठ्यक्रम की उपादेयता :
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय छात्रों को समझा |

२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से छात्र परिचित हुए |

३. पाश्चात्य काव्य समीक्षा के आधुनातन आयामों को छात्रों ने जाना |

४. पाश्चात्य काव्य समीक्षकों का सामान्य परिचय छात्रों को हुआ |

--------- ॥॥ ----------

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

द्वितीय *पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (Elective Course : Skill Based/)

PG- HIN - 204 (A) पत्रकारिता एवं वेब पत्रकारिता

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- पत्रकारिता की कला का वैज्ञानिक अध्ययन करना ।
- पत्रकारिता के प्रमुख सिद्धांतों को समझाना ।
- पत्रकारिता के कौशल विकास से अवगत कराना ।
- हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम पर प्रकाश डालना ।
- हिंदी वेब पत्रिकारिता के स्वरूप और व्याप्ति के संदर्भ में छात्रों को परिचित कराना ।
- हिंदी वेब पत्रकारिता हेतु आवश्यक कौशल पर प्रकाश डालना ।
- हिंदी वेब पत्रकारिता की संभावनाओं से छात्रों को अवगत कराना ।
- वेब डिज़ाइन के बारे में छात्रों को मूलभूत ज्ञान प्रदान करना ।

इकाई -I पत्रकारिता: स्वरूप :-

- पत्रकारिता का अर्थ एवं परिभाषा
- पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास का संक्षिप्त परिचय
- पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएँ
- पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्र
- पत्रकारिता का महत्व

इकाई -II साहित्यिक पत्रकारिता: -

- भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता
- व्दिवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता
- छायावाद और प्रेमचंद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता
- स्वातंत्रयोत्तर साहित्यिक पत्रकारिता
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई -III II हिंदी वेब पत्रकारिता : सैध्दांतिक स्वरूप

- वेब पत्रकारिता क्या है ?
- वेब पत्रकारिता के टूल्स
- वेब पत्रकारिता में सामग्री
- वेब पत्र-पत्रिकाओं का सामान्य वर्गीकरण और विशेषताएँ
- वेब पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति, चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई -IV वेब पत्रकारिता : लेखन प्रक्रिया

- वेब पोर्टल के लिए संवाद लेखन और संपादन
- वेब संपादन : कुछ मूलमंत्र
- वेब समाचार पत्र के आवश्यक तत्व
- वेब डिजाईन
- वेब पत्रों की भाषा तथा वेब पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाएँ

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

१. जनसंचार एवं पत्रकारिता - डॉ. रामलखन मीना
२. पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि - डॉ. सुजाता वर्मा
३. पत्रकारिता परिचय और विश्लेषण -प्रीति व्यास
४. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास -डॉ. विनोद गोदरे
५. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ -डॉ. विनोद गोदरे
६. पत्रकारिता : विविध विधियाँ - डॉ. राजकुमारी रानी
७. समाचार पत्र का प्रबंधन - गुलाब कोठारी
८. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य -राजकिशोर
९. पत्रकारिता के सिध्दांत डॉ. रमेश त्रिपाठी
१०. जनसंचार और पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-

- पत्रकारिता की कला का वैज्ञानिक अध्ययन किया।
- पत्रकारिता के प्रमुख सिद्वांतों को जाना और समझा ।
- पत्रकारिता के कौशल विकास से छात्र अवगत हुए ।
- छात्रों ने हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम को जाना और समझा ।
- हिंदी वेब पत्रिकारिता के स्वरूप और व्याप्ति को छात्रों ने जाना।
- हिंदी वेब पत्रकारिता हेतु आवश्यक कौशल को छात्रों ने आत्मसात किया ।
- हिंदी वेब पत्रकारिता की संभावनाओं से छात्र अवगत हुए ।
- वेब डिज़ाइन के बारे में छात्रों को मूलभूत ज्ञान प्राप्त हुआ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

द्वितीय *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (/Elective Course : Skill Based)

PG-HIN 204 (B) तुलनात्मक साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ तुलनात्मक साहित्य से छात्रों को परिचित करना |
- ✓ तुलनात्मक साहित्य के महत्व को विशद करना |
- ✓ तुलनात्मक साहित्य का सैध्दांतिक स्वरूप स्पष्ट करना |
- ✓ मराठी, हिन्दी, गुजराती और कन्नड आदि भाषा साहित्य का अध्ययन करना |

इकाई - I तुलनात्मक साहित्य : स्वरूप और विशेषताएँ :

- तुलनात्मक साहित्य आरंभिक विकास
- तुलनात्मक साहित्य
- राष्ट्रीय साहित्य,
- विश्व साहित्य तथा सामान्य साहित्य

इकाई - II तुलनात्मक साहित्य परिप्रेक्ष्य :

- भारतीय परिप्रेक्ष्य
- पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य
- भारतीय तुलनात्मक साहित्य ।
- तुलनात्मक साहित्य : भारतीय और वैश्विक संदर्भ

इकाई III तुलनानात्मक साहित्य : विश्वनिर्माण

- विश्व मानव -चेतना के निर्माण में तुलनात्मक साहित्य की भूमिका
- तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से वैश्विक संस्कृति की स्थापना।

इकाई - IV तुलनात्मक साहित्य : अनुवाद,अवधारणा तथा अध्ययन पध्दतियाँ :-

- तुलनात्मक साहित्य अध्ययन में अनुवाद का महत्व
- तुलनात्मक अनुसंधान की अवधारणा
- तुलनात्मक साहित्य की अध्ययन पध्दतियाँ
- तुलनात्मक अनुसंधान की संभावनाएँ

सहायक ग्रंथ सूची :

१. तुलनात्मक साहित्य : विश्व संस्कृति और भाषाएँ -डॉ. के.सीतालक्ष्मी- अमन प्रकाशन, कानपुर
२. तुलनात्मक अध्ययन संपादक भ.ह. राजूरकर/ राजमल बोरा -वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
३. तुलनात्मक साहित्य - इन्द्रनाथ चौधूरी
४. हिन्दी तथा मराठी व्यंग्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बापूराव देसाई
५. तुलनात्मक अध्ययन: भाषा और साहित्य- राजमल बोरा
६. तुलनात्मक अध्ययन: स्वरूप और समस्याएँ - राजमल बोरा
७. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय परिप्रेक्ष्य- इंद्रनाथ चौधरी
८. तुलनात्मक साहित्य विश्वकोश- सं.जी. गोपीनाथ
९. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इंद्रनाथ चौधरी
१०. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य - सं.हनुमानप्रसाद शुक्ल
११. कबीर और तुकाराम के काव्य में प्रगतिशील काव्य चेतना- डॉ. सुनील कुलकर्णी
१२. तुलनात्मक साहित्य - सं. डॉ.नगेन्द्र

- पाठ्यक्रम की उपादेयता : उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-
  १. तुलनात्मक साहित्य से छात्र अबगत हुए |
  २. तुलनात्मक साहित्य के महत्व को छात्रों ने जाना |
  ३. तुलनात्मक साहित्य का सैध्दांतिक स्वरूप छात्र समझे|
  ४. मराठी, हिन्दी, गुजराती और कन्नड आदि भाषा साहित्य का अध्ययन छात्रों ने किया |

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG- **HIN-301** **विशेष विधा : आधुनिक काव्य - महाकाव्य और खण्डकाव्य**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ छात्रों को आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- ✓ आधुनिक काव्य के महाकाव्य और खण्डकाव्य की विशेषताओं और मानदण्डों से छात्र को अवगत कराना।
- ✓ महाकाव्य और खण्डकाव्य का तात्विक विवेचन करना।
- ✓ प्रातिनिधिक कृतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति छात्रों के मन में आस्था एवं आदर्श उत्पन्न करना।

इकाई – I महाव्यकाव्य : सैध्दांतिकी

- **हिन्दी महाकाव्य :अर्थ परिभाषा,और स्वरूप**
- **हिन्दी महाकाव्य परंपरा : विकासात्मक स्वरूप**
- **हिन्दी महाकाव्य के प्रमुख तत्व**
- **हिन्दी के प्रमुख महाकाव्यों का समान्य परिचय**

इकाई –II आधुनिक हिन्दी महाकाव्य : प्रातिनिधिक साहित्यकृति :-

कामायनी –जयशंकर प्रसाद

विक्रम प्रकाशन ई-5/13 कृष्ण नगर नई दिल्ली

- ❖ अध्ययनार्थ सर्ग : चिंता आर लज्जा सर्ग
- ❖ अध्ययनार्थ विषय -:
  - **कामायनी की संक्षिप्त कथावस्तु**
  - **कामायनी का कला पक्ष**
  - **कामायनी की प्रासंगिकता**
  - **कामायनी में वर्णित समरसता दर्शन**
  - **कामायनी में वर्णित पात्र की प्रतीकात्मकता**
  - **कामायनी में प्रस्तुत जल प्लावन प्रसंग**
  - **कामायनी में वर्णित नारी विषयक कवि का दृष्टिकोण**
  - **कामायनी महाकाव्य का उद्देश्य**

इकाई – III खण्डकाव्य : सैध्दांतिकी

- हिन्दी खण्डकाव्य : अर्थ ,परिभाषा और स्वरूप
- हिन्दी खण्डाकाव्य परंपरा : विकासात्मक स्वरूप
- हि न्दी खण्डकाव्य के प्रमुख तत्व
- हिन्दी के प्रमुख खण्डकाव्यों का सामान्य परिचय

इकाई- IV आधुनिक हिन्दी खण्डकाव्य : प्रातिनिधिक साहित्यकृति

भारत भारती – श्रीमैथिलीशरण गुप्त

प्रकाशक साहित्य सदन ,चिरगाँव (झाँसी)

प्रथम संस्कारण : 1984

- ❖ अध्ययनार्थ सर्ग : **अतीत खंड**
  - **भारत वर्ष की श्रेष्ठता :- 15, 16, 17**
  - **आदर्श :- 30 से 38**
  - **आर्य स्त्रियां :- 39 से 44**
  - **हमारी विद्या बुद्धि :- 75 से 106**
  - **प्राचीन भारत की झलक :- 144, 145, 147, 149, 150, 153, 154, 161, 162, 163, 164, 165, 176, 180**
  - **आत्माभिमान :- 237 से 241**

❖ वर्तमान खण्ड

- दारिद्र्य -:9,10,11
- कृषी और कृषक :- 28 से 58
- व्यापार :- 80 से 105 तक
- अविद्या :- 133 से 137
- शिक्षा की अवस्था :- 138 से 156
- साहित्य :- 157 से 169
- स्त्रियां :- 227 से 240
- समाज :- 248 ,249, 250, 251, 252
- धनोपार्जन :- 253 से 258
- अधिकार:- 263, 264
- आत्मविस्मृति :- 274, 275

❖ भविष्य खण्ड -: 1 से 140

❖ अध्ययनार्थ विषय -:

- भारत–भारती की संक्षिप्त कथावस्तु
- भारत भारती का कला पक्ष एवं काव्यसौष्ठव
- भारत भारती की प्रासंगिकता
- भारत भारती में वर्णित समाज व्यवस्था
- भारत भारती में वर्णित आर्थिक विचार
- भारत भारती में वर्णित स्त्री विषयक विचार
- भारत भारती में वर्णित पर्यावरण तथा कृषि विषयक विचार
- भारत भारती में वर्णित साहित्य विषयक विचार
- भारत भारती में वर्णित गौरवशाली इतिहास

❖ संदर्भ ग्रंथ सूची

१ कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्ति बोध

२ कामायनी के पात्र –मेहता

३ प्रसाद की काव्य प्रतिमा –नागर विमल शंकर

४ कामायनी विवेचनात्मक अध्ययन –सरोज भारत भूषण

५ प्रसाद साहित्य में उदात्त तत्व – व्दिवेदी विद्यावती

६ मैथिलीशरण गुप्त संचयिता – नंदकिशोर नवल

- पाठयक्रम की उपादेयता :
  - छात्रों को आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित किया गया।
  - आधुनिक काव्य के महाकाव्य और खण्डकाव्य की विशेषताओं और मानदण्डों से छात्र को अवगत किया गया ।
  - महाकाव्य और खण्डकाव्य का तात्विक विवेचन कर उसके आधार पर साहित्य कृतियों का अध्यापन किया गया।
  - प्रातिनिधिक कृतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति छात्रों के मन में आस्था एवं आदर्श उत्पन्न कर उनके मन राष्ट्र के प्रति गौरव और अस्मिता का भाव निर्माण कि या गया ।

---------- ||| ----------

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र पाठ्यक्रम

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG- HIN-302 हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से छात्रों को अवगत कराना |
- ✓ हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियों का सामान्य परिचय देकर छात्रों को उससे अवगत कराना |
- ✓ हिंदी शब्द रचना और रूप रचना संबंधी छात्रों को सूचित कराना |
- ✓ हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना |
- ✓ भाषा विज्ञान का सैद्धांतिक विवेचन करना |
- ✓ भाषा विज्ञान के विविध अंगों का सामान्य परिचय कराना |
- ✓ रूप ,रूपिम,वाक्य तथा अर्थ विज्ञान का सामान्य परिचय देना |

इकाई -I हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

- प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ ।
- मध्यकालीन आर्य भाषाएँ :- पाली,पाकृत-शौरसेनी,अर्धमागधी,मागधी,अपभ्रंश आदि
- प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाओं की विशेषताएँ |

इकाई -II हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ : -

- पश्चिमी हिंदी
- पूर्वी हिंदी
- राजस्थानी हिंदी
- बिहारी हिंदी
- पहाड़ी हिंदी |

इकाई - III- - भाषा विज्ञान सैध्दांतिकी :-

- भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप ।
- भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ: कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय |
- वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया ।
- स्वनों का वर्गीकरण: स्वर और व्यंजन तथा स्वन परीवर्तन के कारण एवं दिशाएँ ।

इकाई -IV - रूप एवं रूपिम विज्ञान वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान :-

- रूप (पद) की परिभाषा
- संबंध तत्व और उसक भेद।
- वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप,वाक्य की परिभाषाएँ, अभिहितान्वयवाद (पदवाद) वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण,निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।
- अर्थ विज्ञान- अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतिति के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ |

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - हेतु भारव्दाज
- हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण त्रिपाठ
- हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह
- भाषा का संसार - दिलीप सिंह

- भाषा चिन्तन के नये आयाम -रामकिशोर शर्मा
- हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी
- भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख
- भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी
- भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
- भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे
- भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया
- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास -डॉ.हणमंतराव पाटील/ सुधाकर शेंडगे
- भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख
- भाषा विज्ञान एक अध्ययन- गरिमा श्रीवास्तव
- भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा- डॉ. सुरेश सिंहल
- भाषा विज्ञान का रसायन- कैलाशनाथ पाण्डेय
- .भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि-रामकिशोर शर्मा
- आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त- -रामकिशोर शर्मा
- भाषा विज्ञान के सिध्दांत - **डॉ ओम प्रकाश शर्मा.**
- **अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.**

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-
    - हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से छात्र अवगत हुए|
    - हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर छात्र उससे अवगत हुए ।
    - हिंदी शब्द रचना और रूप रचना संबंधी छात्रों को ज्ञान प्राप्त हुआ|
    - हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूपों को छात्रों ने आत्मसात किया ।
    - .भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक विवेचन से छात्र अवगत हुए|
    - भाषा विज्ञान के विविध अंगों को छात्रों ने समझा|
    - छात्रों को रूप ,रूपिम,वाक्य तथा अर्थ विज्ञान का सामान्य परिचय हुआ|

--- ||| ---

एम.ए. हिन्दी : द्वितीय

तृतीय सत्र पाठयक्रम

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG- HIN- 303 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ हिंदी साहित्य इतिहास का सामान्य परिचय करना ।
- ✓ हिंदी साहित्य के प्रमख कालों कों समझना ।
- ✓ आदिकालीन , भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृतियों का अध्ययन करना |

इकाई - I हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की पध्दतियाँ, हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण **तथा प्रमुख हिन्दी साहित्य इतिहासकारों का इतिहास लेखन विषयक दृष्टिकोण।**

इकाई - II आदिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन प्रमुख काव्य धाराएँ - सिद्ध साहित्य,नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य और लौकिक साहित्य । आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ ।

इकाई - III भक्तिकाल : सामान्य परिचय , सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्तिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ - निर्गुण काव्य , सूफी काव्य , राम काव्य और कृष्ण काव्य, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

इकाई - IV रीतिकाल : सामान्य परिचय ,सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :- रीतिबध्द्, रीतिसिध्द् और रीतिमुक्त, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय **केशवदास,बिहारी घनानन्द, भूषण**

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

१. हिंदी साहित्य का समग्र इतिहास - रामकिशोर शर्मा
२. हिंदी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
३.हिंदी साहित्य की भूमिका उद्भव विकास- डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
४.हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
५.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तिया - डॉ. जसकिशन प्रसाद खंडेलवाल
६.हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास- बाबु गुलाबराय
७.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ.रामकुमार वर्मा
८.हिंदी रीति साहित्य -डॉ.भगीरथ मिश्र
९.हिंदी साहित्य का इतिहास- सं.डॉ. नगेंद्र
१०.हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ.हजारीप्रसार द्विवेदी
११.हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास- डॉ.उमेश शास्त्री
१२.हिंदी का गद्य साहित्य -रामचंद्र तिवारी
१३.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
१४.हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक -डॉ.सभापति मिश्र

- पाठ्यक्रम की उपादेयता :

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-

१. हिंदी साहित्य के इतिहास के नामकरण ,लेखन पद्वतियॉ तथा विभाजन से छात्र परिचित हुए ।
२. हिंदी साहित्य इतिहास के विवेचित कालों को छात्रों ने समझा ।
३. आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल के साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों का छात्रों ने विस्तृत अध्ययन किया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (Elective Course : Skill Based/)

PG-HIN - 304 (A) भाषा प्रौद्योगिकी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- भाषा प्रौद्योगिकी का स्वरूप स्पष्ट कराना ।
- भाषा प्रौद्योगिकी के अधुनातन आयामों के संदर्भ में छात्रों को अवगत कराना ।
- सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा के परस्पर संबंध पर प्रकाश डालना ।
- भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और उद्देश्य से छात्रों को अवगत कराना ।
- भाषा प्रौद्योगिकी तथा देवनागरी लिपि, प्रकार्य और सूचना प्रौद्योगिकी का सामान्य परिचय देना ।

इकाई - I भाषा प्रौद्यगिकी : अवधारणा , उद्देश्य और भाषा प्रोग्रामी :-

- भाषा प्रौद्योगिकी : अवधारणा
- भाषा प्रौद्योगिकी : उद्देश्य और सीमाएँ
- भाषा प्रोग्रामी एवं प्रोग्राम

इकाई - II भाषा प्रौद्योगकी :- देवनागरी लिपि, प्रकार्य और सूचना प्रौद्योगिकी :-

- देवनागरी लिपि : फॉंट तथा युनीकोड
- भाषा प्रौद्योगिकी के प्रकार्य
- सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा

इकाई - III भाषा प्रौद्यगिकी : भाषा, राजभाषा और सूचना प्रौद्योगिकी :-

- भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन
- भाषा प्रौद्योगिकी : राजभाषा हिंदी
- भाषा प्रौद्योगिकी : सूचना प्रौद्यागिकी

इकाई - IV भाषा प्रौद्यगिकी : साहित्य,अनुवाद और भारतीय भाषाएँ :-

- भाषा प्रौद्यागिकी का वर्तमान परिदृश्य : भारतीय एवं वैश्विक
- भाषा प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित विषय
- अनुवाद प्रौद्योगिकी
- भारतीय भाषाएँ और प्रौद्योगिकी

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

1. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद प्रसाद
2. भाषा और व्यवहार - ब्रजमोहन
3. भाषा शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4. **Bharati.A.Chaitany.V& Sangal,R (1995) Natural Language Processing :A Paninian perspective. New Delhi: Prentice-Hall Of India.**
5. **Bird, S., Klein, E. & Loper, E. (2009). Natural Language Processing with Python Analyzing Text with the Natural Language Toolkit. Sebastopol: O' Railly Media.**
6. **Heinrich, S. ed. (1999). Foundations of Statistical Natural Language Processing. Cambridge: MIT Press.**
7. **Jurafsky, D. & Martin, J.H. (2008). Speech and language processing: an introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition. N.J.: Pearson. 6. NPTEL: Prof. Pushpak Bhattacharya online course on NLP**

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-

१. भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप से छात्र अवगत हुए ।
२. भाषा प्रौद्योगिकी के अधुनातन आयामों के संदर्भ में छात्र परिचित हुए।
३. सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा के परस्पर संबंध पर प्रकाश डालने से छात्रों ने विस्तृत जानकारी प्राप्त की
४.भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और उद्देश्य से छात्र अवगत हुए ।
५. भाषा प्रौद्योगिकी तथा देवनागरी लिपि, प्रकार्य और सूचना प्रौद्योगिकी का छात्रों को सामान्य परिचय हुआ।

--- ॥॥ ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (Elective Course: Skill Based/)

PG-HIN - 304 (B) लोक साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- लोक साहित्य के स्वरूप और संकल्पना को स्पष्ट करना ।
- लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा और प्रकीर्ण साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन पर प्रकाश डालना।
- लोकोक्तियाँ, मुहावरें, कहावतें आदि का भाषिक सौंदर्य विशद करना ।
- लोक साहित्य के महत्व और उपादेयता को स्पष्ट करना ।

इकाई -I लोक साहित्य : संकल्पना और स्वरूप :

- लोक शब्द का अर्थ एवं परिभाषा और स्वरूप
- लोक साहित्य की परंपरा
- लोक साहित्य का वर्गीकरण
- लोक साहित्य की विशेषताएँ

इकाई -II लोकगीत : संकल्पना और स्वरूप :

- लोकगीत परिभाषा और स्वरूप
- लोकगीतों की विशेषताएँ
- लोकगीत और साहित्यिक गीत तथा लोकगीतों का वर्गीकरण

इकाई -III लोक कथा एवं लोकनाटय :

- स्वरूप और परिभाषा तथा प्रमुख स्त्रोत
- वर्गीकरण एवं विशेषताएँ
- लोककथा के तत्व
- प्रमुख लोकनाटय का समान्य परिचय : रामलीला,रासलीला,तमाशा,जत्रा

इकाई -IV प्रकीर्ण साहित्य :

- पहेलियाँ
- लोकोक्तियाँ
- मुहावरें
- कहावतें,
- टोना-टोटका-मंत्र और चुटकुलें आदि का विश्लेषण

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

१. लोक साहित्य शास्त्र (अहिराणी के परिप्रेक्ष्य में)-डॉ. बापूराव देसाई
२. मावची लोकसाहित्य शास्त्र - डॉ. बापूराव देसाई
३. पच्चीस लोक बोलियों का शास्त्र और संस्कृति- डॉ. बापूराव देसाई
४.लोक साहित्य के प्रतिमान- डॉ.कुंदनलाल उप्रेति
५. लोक साहित्य के मूल स्त्रोत - डॉ. उर्मिला पाटील
६. लोक साहित्य का अध्ययन- डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
७. महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य -डॉ.कृष्ण दिवाकर
८.लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ.कुलदीप
९. हिन्दी लोक साहित्य शास्त्र, सिद्धांत और विकास - डॉ.अनुसया अग्रवाल
१०. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ.विद्या चौहान
११.लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा
१२. लोककथा विज्ञान- श्रीचन्द्र जैन
१३. लोक साहित्य शास्त्र -डॉ.नंदलाल कल्ला
१४.भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा -दुर्गा भागवत अनु.स्वर्णकांता

१५. भारतीय लोक साहित्य - डॉ.श्याम परमार
१६. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
१७. लोक साहित्य सिध्दांत और प्रयोग- डॉ. श्रीराम शर्मा
१८. लोक साहित्य विविध आयाम एवं दृष्टि – डॉ जयश्री गावित

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-
    १. छात्रों ने लोक साहित्य के स्वरूप और संकल्पना को भलीभाँति जाना और समझा।
    २.लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा और प्रकीर्ण साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष से छात्र परिचित हुए।
    ३.छात्रों ने लोकोक्तियाँ, मुहावरें, कहावतें आदि का भाषिक सौंदर्य जानकर उसके उपयोग कला को आत्मसात किया ।
    ४.छात्रों ने लोक साहित्य के महत्व को समझकर उसके उपादेयता को जाना ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

तृतीय *सत्र पाठ्यक्रम*

स्वयं मूल्यांकन पाठ्यक्रम : (AUDIT COURSE)

PG-HIN: AC - 301 सर्जनात्मक लेखन कौशल

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ छात्रों में रचनात्मक लेखन के प्रति रूचि विकसित कराना ।
- ✓ रचनात्मक लेखन के स्वरूप और सिध्दांत पर प्रकाश डालना ।
- ✓ रचनात्मक लेखन में भाषिक संदर्भ के महत्व को समझाना ।
- ✓ रचनात्मक लेखन के रचना सौष्ठव और विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक परिचय देना ।

इकाई -I रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिध्दांत

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : साहित्य,पत्रकारिता,विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
- जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य,कथात्मक-कथेत्तर,नाट्य और पाठ्य
- रचनात्मक लेखन - भाषा-संदर्भ : अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ मिमांसा,शब्द के प्राक्-प्रयोग,नव्य-प्रयोग

इकाई - II रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक अध्ययन

- रचना-सौष्ठव : शब्दशक्ति,प्रतीक,विंब,अंलकार और वक्रताएँ
- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक अध्ययन :-
  कविता कहानी,उपन्यास,नाटक,कथेत्तर गद्य विधाएँ

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

१. भाषा शिक्षण की रचनात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि - वीरेन्द्र सिंह रावत आयुष प्रकाशन ,गाजियाबाद.
२. सर्जनात्मक लेखन - डॉ हरिश आरोड़ा
३. आधारभूत हिंदी संरचना तथा अभ्यास पुस्तिका (2015) प्रो.अरूण चतुर्वेदी ,केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
४. बालक में भाषा का विकास - सुगन भाटिया, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
५. भाषा अनुरक्षण एवं भाषा विस्थापन (1986) श्री.कृष्ण (संपा.) केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-

१.छात्रों में रचनात्मक लेखन के प्रति जागृकता निर्माण हुई ।
२.छात्रों ने रचनात्मक लेखन के स्वरूप और सिध्दांत का सामान्य परिचय प्राप्त किया ।
३.रचनात्मक लेखन में भाषिक संदर्भ के महत्व को समझा ।
४.रचनात्मक लेखन के रचना सौष्ठव और विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक परिचय प्राप्त किया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN- **401 आधुनिक काव्य : लंबी कविता एवं ग़ज़ल**

पाठयक्रम का उददेश्य :-

- ❖ आधुनिक हिन्दी की लंबी कविता तथा ग़ज़ल के सैध्दांतिकी से छात्रों को परिचित करवाना।
- ❖ छात्रों को प्रातिनिधिक आधुनिक लंबी कविताओं और ग़ज़लों से परिचित करवाना।
- ❖ लंबी कविता और ग़ज़लों के माध्यम से छात्रों में संवेदनीलता,सहदयता,राष्टीयता,मानवता आदि मानवीय मूल्यों को विकसित करना।
- ❖ आधुनिक हिन्दी की कालजयी लंबी कविताएँ और ग़ज़लों से छात्रों को परिचित करवाना।

इकाई – I लंबी कविता की सैध्दांतिकी

- ❖ लंबी कविता परिभाषा और स्वरूप, अर्थ :
- ❖ लंबी कविता के प्रमुख तत्व
- ❖ लंबी कविता की विकास यात्रा
- ❖ प्रमुख लंबी कविताओं और कवियों का सामान्य परिचय

इकाई – II हिन्दी की प्रातिनिधिक लंबी कविताएँ

- ❖ कुकुरमुत्ता – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- ❖ हरिजन गाथा –नागार्जुन
- ❖ प्यारी बहना –नरेन्द्र मोहन
- ❖ ब्रूनों की बेटियाँ आलोक धन्वा

इकाई – III ग़ज़ल की सैध्दांतिकी

- ❖ ग़ज़ल : अर्थ ,परिभाषा और स्वरूप
- ❖ ग़ज़ल के अंग
- ❖ हिन्दी ग़ज़ल की विकास यात्रा
- ❖ हिन्दी के प्रमुख कालजयी ग़ज़लकार तथा उनकी ग़ज़लों का सामान्य परिचय

इकाई – IV प्रातिनिधिक हिन्दी ग़जलकार तथा उनकी ग़ज़ले

- ❖ गोपालदास नीरज : अब तो इक ऐसा वरक मेरा-तेरा ईमान हो, अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाये
- ❖ अदम गौंडवी : जो 'डलहौजी' न कर पाया वो ये हुक्काम कर देंगे,हिन्दू या मुस्लिम के एहसासात को मत छेडिए
- ❖ ज्ञानप्रकाश विवेक : किसी के दुख में रो उठठूँ कुछ ऐसी तर्जुमानी दे, जिन्दगी के लिए इक खास सलीका रखना
- ❖ ओमप्रकाश यती : "हम भी खुश थे जब वे जीते,लेना एक न देना दो","दुख तो गाँव मुहल्ले के भी हरते आए बाबुजी"
- ❖ डॉ. भावना : हमें अपना बताये जा रहे हैं , जो करके बँद आँखों को यहाँ चुपचाप बैठे हैं

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- ❖ कुकुरमुत्ता – सूर्यकांत त्रि पाठी निराला
- ❖ दूनिया रोज बनती है – आलोक धन्वा
- ❖ कविता से लंबी कविता –विनोदकुमार शुक्ल
- ❖ नि राला आक्र मुक्ति बोध चार लंबी कविताएँ –नंद किशोर नवल
- ❖ नागार्जुन और लंबी कविता- नंद कि शोर नवल
- ❖ लंबी कविताएँ : वैचारिक सरोकार –डॉ.बलदेव वंशी
- ❖ लंबी कविताओं का रचना विधान-सं.डॉ.नरेंद्र मोहन
- ❖ लंबी कविताएँ और नरेंन्द्र मोहन- डॉ.रमेश सोनी
- ❖ तीन लंबी कविताएँ – डॉ.संजय ढोढरे
- ❖ अज्ञेय से अरूण कमल भाग १ और भाग २ – डॉ. संतोष कुमार तिवारी
- ❖ लंबी कविता की पहचान –प्रताप सहगल - http://gadykosh.org
- ❖ लंबी कवि ता कोश http://kavitakosh.org.
- ❖ हिन्दी के पंचरत्न - डॉ. मधु खराटे
- ❖ हिन्दी ग़ज़ल : उदभव एवं विकास – डॉ.रोहिताश्व आस्थाना
- ❖ साठोत्तरी हिन्दी ग़ज़ल - डॉमधु खराटे.
- ❖ हिन्दी कविता में ग़ज़ल : संवेदना और शिल्प- डॉ.जे.पी.गंगवार

- **दुष्यंतोत्तर हिन्दी ग़ज़ल- डॉमधु खराटे.**
- **हिन्दी ग़ज़ल की परंपरा- हरेराम समीप**
- **चंद्रसेन 'विराट ' का हिन्दी ग़ज़ल साहित्य : संवेदना और शिल्प डॉ. मुकेश दामोधर गायकवाड**

पाठयक्रम की उपादेयता :-

- आधुनिक हिन्दी की लंबी कविता तथा ग़ज़ल के सैध्दांतिकी से छात्र परिचित हो गए।
- प्रातिनिधिक आधुनिक हिन्दी लंबी कविताओं और ग़ज़लों से छात्र परिचित हो गए।
- लंबी कविता और ग़ज़लों के माध्यम से छात्रों में संवेदनीलता,सहदयता,राष्टीयता,मानवता आदि मानवीय मूल्य विकसित हो गई।
- हिन्दी की कालजयी लंबी कविताओं और ग़ज़लों से छात्र परिचित हो गए।

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG- **HIN-** 402 अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- ✓ अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया का अध्ययन करना |
- ✓ अनुसंधान के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालना |
- ✓ अनुसंधान के सोपानों का क्रमश: विवेचन करना |

इकाई -I अनुसंधान अर्थ और स्वरूप :

अनुसंधान की परिभाषा, अर्थ और स्वरूप, मानव जीवन में अनुसंधान का स्थान, आरंभिक और वर्तमानकालीन अनुसंधान की उपादेयता ।

इकाई -II अनुसंधान के प्रकार :

विषयानुसार अनुसंधान के प्रकार, कार्य प्रणाली के अनुसार अनुसंधान के भेद, वस्तु तथ्यात्मक अनुसंधान, भावानुसंधान, भाषानुसंधान, पाठानुसंधान, ऐतिहासिक अनुसंधान तुलनात्मक अनुसंधान की उपयोगिता ।

इकाई -III अनुसंधान के सोपान :

विषय चयन,सामग्री संकलन, रूपरेखा निर्माण,शोध प्रबंध का लेखन,संदर्भ लेखन की अत्याधुनिक प्रणालियाँ,संदर्भ ग्रंथ सूची का लेखन तथा अंतिम प्रारूप एवं टंकन |

इकाई -IV पाठालोचन के मुख्य सिध्दांत, अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, समकालीन साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पध्दतियों का प्रयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय पध्दतियों का प्रयोग,अनुसंधान में संगणक तथा इंटरनेट का महत्व |

एम.ए. हिंदी द्वितीय चतुर्थ *सत्र* मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम PG- **HIN-403 (Core Course)**

शोध अनुसंधान परियोजाना के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु निर्धारित 40 अंक के अंतर्गत जो प्रकल्प लेखन किया जायेगा उसके लिए विषयों की नमूना सूची तथा सूचना निम्न प्रकार से है :-

- ○ लोकभाषाओं का अध्ययन : अहिराणी,गुजर,लेवा,मावची,देहवाली तथा स्थानीय बोलियों पर अनुसंधान प्रकल्प ।
- ○ लोक साहित्य,लोक कथा,लोकगीत,लोकोक्तियाँ,लोकनाट्य और लोकोत्सव संबंधी अनुसंधान प्रकल्प ।
- ○ कृषी संबंधी शब्दावली का संग्रह कर प्रकल्प लेखन ।
- ○ नदी से जुड़े संस्कारों एवं पर्वों से संबंधित शब्दावली का संग्रह कर प्रकल्प लेखन ।
- ○ पर्यावरण से संबंधित शब्दों का संग्रह एवं उनका हिंदी अर्थ देकर प्रकल्प लेखन ।
- ○ वृक्ष अभिप्राय से संबंधित शब्दों का संग्रह और उनका हिंदी अर्थ देकर प्रकल्प लेखन ।
- ○ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कृतियों का समीक्षात्मक परिचय देकर प्रकल्प लेखन।
- ○ स्थानीय साहित्यकारों से संवाद अथवा साक्षात्कार कर प्रकल्प लेखन ।
- ○ स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिवेदन कर प्रकल्प लेखन ।
- ○ प्रशाला में आयोजित वार्षिक तथा अन्य उत्सवों का प्रतिवेदन कर प्रकल्प लेखन ।
- ○ दै.समाचार पत्रों की भाषा एवं शब्दावली का अध्ययन तथा विश्लेषण कर प्रकल्प लेखन ।

✓ विशेष सूचना : उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त छात्र अपने परिवेश संबंधी आवश्यकताओं एवं महत्व के अनुसार शोध अनुसंधान परियोजना के विषय का चयन कर सकते हैं ।

- **शोध अनुसंधान परियोजना लेखन एवं मूल्यांकन संबंधी नियम :**
    - शोध अनुसंधान परियोजना न्यूनतम ४० और अधिकत्तम ६० पृष्ठों में लिखना आवश्यक है ।
    - शोध अनुसंधान परियोजना छात्र अपने स्व हस्ताक्षर में अथवा टंकित कर प्रस्तुत कर सकते हैं ।
    - शोध अनुसंधान परियोजना के अंतिम पृष्ठ पर शोध छात्र, विषय से संबंधित आचार्य तथा विभाग प्रमुख का हस्ताक्षर होना अनिवार्य है ।
    - सत्र समाप्ति के पूर्व शोध अनुसंधान परियोजना संबंधित विषय शिक्षक के पास जमा करना अनिवार्य है ।
    - शोध अनुसंधान परियोजना का मूल्यांकन संबधित विषय के आचार्य ही करेंगे ।
    - शोध परियोजना की सत्रांत परीक्षा विश्वविद्यालय व्दारा नहीं ली जाएगी ।
    - प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सौ अंकों के परीक्षा का स्वरूप एवं अंकविभाजन निम्न प्रकार से रहेगा :

अंतर्गत परीक्षा मूल्यांकन हेतु निर्धारित कुल अंक चालिस (40)	शोध अनुसंधान परियोजना लेखन पुस्तिका	**30**
प्रस्तुतीकरण		10
	कुल अंक	40

- **सहायक संदर्भ सूची :**

१. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंहल
२. शोध के नए आयाम- डॉ. बी. के. कलासवा
३. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया- एस-एन.गणेशन्
४. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. राजेन्द्र मिश्र
५. शोध प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. हरीश अरोड़ा
६. शोध प्रक्रिया- डॉ. सरनाम सिंह शर्मा
७. अनुसंधान विधि - डॉ. गोविन्दकुमार टी. वेकरीया
८. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा
९.अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया- डॉ. अर्जुन तडवी
१०. हिन्दी अनुसंधान: वैज्ञानिक पद्धतियाँ- डॉ. कैलाशनाथ मिश्र
११. हिन्दी शोध प्रविधि – डॉ.राजेन्द्र मिश्र
१२. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया – शिवाजी देवरे/ डॉ.मधु खराटे
१३. अनुसंधान एक विवेचन – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
१४. अनुप्रयुक्त अनुसंधान प्रविधि – डॉ.सुरेश माहेश्वरी

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-

१.छात्रों में अनुसंधान वृत्ति विकसित हुई ।
२. लेखन कौशल की कला से छात्र अवगत हुए ।
३. परिवेश संबंधि जानकारी से छात्र परिचित हुए।
४. अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया का छात्रों को ज्ञान प्राप्त हुआ

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

मुख्यांश अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course)

PG-HIN-403 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- आधुनिक काल के प्रमुख काव्य प्रकारों की प्रवृत्तियों के विश्लेषण की दृष्टि छात्रों में निर्माण करना ।
- आधुनिक काल के कथा साहित्य तथा कथेत्तर साहित्य का विकासात्मक परिचय बताना।
- विमर्शमूलक साहित्य तथा प्रवासी साहित्य का अध्ययन करना ।

इकाई -I आधुनिक काल : काव्य विधा का विकासात्मक परिचय :

- भारतेन्दु युगीन काव्य , द्विवेदी युगीन काव्य, छायावादी काव्य ,हालावादी काव्य , प्रगतिवादी काव्य , प्रयोगवादी काव्य , नई कविता, समकालीन कविता, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के आंदोलन ।

इकाई - II आधुनिक गद्य साहित्य :

- उपन्यास साहित्य , कहानी साहित्य , नाटक साहित्य, गीतिनाटय , एकांकी साहित्य का विकासात्मक परिचय इ.स.२००० तक।

इकाई -III कथेत्तर गद्य साहित्य :

- निबंध ,संस्मरण, आत्मकथा ,जीवनी, रेखाचित्र,रिपोर्ताज,यात्रा वर्णन, डायरी , प्रवासी साहित्य,का विकासात्मक परिचय।

इकाई IV विमर्शमूलक साहित्य :

- स्त्री विमर्श,दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श,अल्पसंख्यक विमर्श, किन्नर विमर्श ,विकलांग विमर्श, किसान विमर्श ,वृद्ध विमर्श आदि का संक्षिप्त विकासात्मक परिचय ।

- **सहायक ग्रंथ सूची : -**

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

३.आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

४. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आलोक कुमार शुक्ल

५. हिन्दी साहित्य का अतीत- आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

६. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल

७.साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय

८.आज का हिन्दी उपन्यास- डॉ. इन्द्रनाथ मदान

९. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

१०.समकालीन हिदी कहानी- डॉ. विनय

११.इक्कीसवीं सदीं का हिन्दी साहित्य : समय, समाज और संवेदना - रवीन्द्रनाथ मिश्र

१२. हिन्दी के प्रातिनिधिक निबंधकार- डॉ. हरिमोहन

१३ हिन्दी साहित्य की युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार

१४. आधुनिक हिन्दी निबंध- डॉ. बापूराव देसाई

१५.हिन्दी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह

१६.स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. बापूराव देसाई

१७.बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य-सं.डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

१८.अरुण कमल की कविता जनवादी पक्ष- डॉ. संजय रणखांबे

१९.हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ.माधव सोनटक्के

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नांकित लाभ हुए :-
    १. आधुनिक काल के प्रमुख काव्य प्रकारों की प्रवृत्तियों के विश्लेषण की नई दृष्टि छात्रों में निर्माण हुई।
    २. आधुनिक काल के कथा साहित्य तथा कथेत्तर साहित्य का विकासात्मक परिचय छात्रों को हुआ ।
    ३. विमर्शमूलक साहित्य तथा प्रवासी साहित्य का अध्ययन छात्रों ने किया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (Elective Course : Skill Based)

PG- **HIN - 404 (A)** विशेष साहित्यकार- शंकर पुणतांबेकर

- **पाठयक्रम का उद्देश्य :**
  - **खान्देश के सुप्रसिध्द् व्यंग्य साहित्यकाj डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के जीवन एवं रचना परिचय से छात्रों को अवगत कराना।**
  - **सुप्रसिध्द् व्यंग्य साहित्यिक डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के साहित्यिक योगदान को रेखांकित करना।**
  - **व्यंग्य विधा का सैध्दांतिक विवेचन करना।**
  - **व्यंग्य की सैध्दांतिकी के आधार पर डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन करना।**
  - **व्यंग्य को एक स्वतंत्र साहित्य विधा के रूप में स्थापित करने में डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के योगदान को उजागर करना।**

इकाई –I व्यंग्य विधा का सैध्दांतिक विवेचन तथा डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी का जीवन एवं रचना परिचय

- **व्यंग्य की परिभाषा और स्वरूप**
- **व्यंग्य से संबंधित शब्दावली**
- **व्यंग्य के प्रमुख तत्व**
- **स्वातंत्र्यपूर्व / स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य का विकास**
- **डॉ.शंकर पुणतांबेकर जीवन परिचय**
- **डॉ.शंकर पुणतांबेकर रचना परिचय**
- **डॉ.शंकर पुणतांबेकर पुरस्कार एवं सम्मान**

इकाई – II डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी की व्यंग्य कथाएँ

- **लोकतंत्र है यह (जंगल में इस कथा संकलन से)**
- **वासनाकांड (तेरहवाँ डिनर इस कथा संकलन से)**
- **अजंठा की एक नई गुफा (पराजय की जुबली इस कथा संकलन से)**
- **बिखरे हुए संदर्भ (कट आऊट इस संकलन से)**
- **एक दौरे पर (मेरी फाँसी इस संकलन से)**

इकाई –III डॉ.शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य नाटक : सफेद कौवें काले हंस

- **सफेद कौवें काले हंस – कथावस्तु**
- **सफेद कौवें काले हंस- प्रमुख तथा गौण पात्र एवं चरित्र चित्रण**
- **सफेद कौवें काले हंस – संवाद कौशल**
- **सफेद कौवें काले हंस – उद्देश्य एवं देशकाल वातावरण**
- **सफेद कौवें काले हंस – कथ्यगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ**
- **सफेद कौवें काले हंस – रंगमंचीय विशेषताएँ**

इकाई –IV डॉ.शंकर पुणतांबेकर का आत्मचरित्र : बिखरे पन्ने (निम्नलिखित अंश)

- **आत्मकथा क्यों ?**
- **कुछ वर्तमान की-1**
- **लेखन की बात**
- **कुछ रेंगते सवाल**
- **मैं और मेरा व्यंग्य**
- **व्यंग्य अमरकोश से मिलिए**
- **लघुकथा : जैसे मैंने देखी-लिखी**
- **कुछ प्रसंग -7**
- **शंकर रिचाए पर बात-1**
- **क्या खोया क्या पाया**

- **संदर्भ सूची :**
  - **व्यंग्य चिंतना और शंकर पुणतांबेकर- डॉ.सुरेश माहेश्वरी**
  - **हि न्दी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योंगदान-प्रा.अनुपमा प्रभुणे**
  - **स्वातंत्र्योत्तर हि न्दी व्यंग्य निबंध –डॉ.शशि मिश्रा**
  - **शंकर पुणतांबेकर (शोध प्रबंध) - डॉ.मीना भंडारी,कल्याण**
  - **व्यंग्य के परिप्रेक्ष्य में शंकर पुणतांबेकर के साहि त्य का मूल्यांकन (शोध प्रबंध) -डॉ.जितेन्द्र नाना कोले**
  - **शैलीकार शंकर पुणतांबेकर-प्रा.डॉ.ओमप्रकाश शर्मा**
  - **येथे शब्द माझे जळती (व्यंग्य छटा) - डॉ.शंकर पुणतांबेकर लिखित मराठी किताब**
- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - **खान्देश के सुप्रसिध्द् व्यंग्य साहि त्यका डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के जीवन एवं रचना परिचय से छात्रों को अवगत किया गया।**
  - **सुप्रसिध्द् व्यंग्य साहित्यिक डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के साहित्यिक योगदान को रेखांकित किया गया।**
  - **व्यंग्य विधा का सैध्दांतिक विवेचन किया गया।**
  - **व्यंग्य की सैध्दांतिकी के आधार पर डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन किया गया।**
  - **व्यंग्य को एक स्वतंत्र साहित्य विधा के रूप में स्थापित करने में डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के योगदान को उजागर किया गया।**
  - **डॉ.शंकर पुणतांबेकर व्दारा लिखित व्यंग्य कथाएँ, व्यंग्य नाटक और आत्मकथांश का अध्ययन किया।**

---------- ॥॥ ----------

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : कौशल विकास संवर्धन (Elective Course : Skill Based)

PG-**HIN** - 404 (B) विशेष साहित्यकार – मोहन राकेश (नाटककार)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

- **हिंदी नाटक और रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना।**
- **हिंदी नाटक के स्वरुप और संरचना से परिचय करना ।**
- **हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय देना ।**
- **मोहन राकेश के नाटकों के सहारे नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि को विकसित करना ।**
- **हिन्दी नाटय साहित्य में मोहन राकेश के योगदान को रेखांकित करना ।**

इकाई – I हिन्दी नाटय विधा : सैध्दांतिक स्वरूप

- **नाटय विधा : परिभाषा एवं स्वरूप**
- **हिंदी नाटक विधा का विकासात्मक अध्ययन ।**
- **हिंदी रंगमंच का स्वरुप ।**
- **रंगमंच की दृष्टि से हिंदी नाटक की वर्त्तमान स्थिति।**
- **हिंदी नाटक विधा में मोहन राकेश का योगदान।**

इकाई –II अध्यनार्थ नाटक –आषाढ़ का एक दिन

- **आषाढ़ का एक दिन नाटक – कथावस्तु**
- **आषाढ़ का एक दिन नाटक – प्रमुख तथा गौण पात्र तथा चरित्र चित्रण**
- **आषाढ़ का एक दिन नाटक – संवाद कौशल**
- **आषाढ़ का एक दिन नाटक - उद्देश्य एवं देशकाल वातावरण**
- **आषाढ़ का एक दिन नाटक – कथ्यगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ**
- **आषाढ़ का एक दिन नाटक – रंगमंचीय विशेषताएँ**

इकाई – III अध्यनार्थ नाटक –आधे अधूरे

- **आधे अधूरे नाटक : कथावस्तु**
- **आधे अधूरे नाटक : प्रमुख तथा गौण पात्रों की चरित्रगत विशेषताएँ**
- **आधे अधूरे नाटक : संवाद कौशल**
- **आधे अधूरे नाटक : उद्देश्य एवं देशकाल वातावरण**
- **आधे अधूरे नाटक : कथ्यगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ**
- **आधे अधूरे नाटक : रंगमंचीय विशेषताएँ**

इकाई – IV अध्यनार्थ नाटक –लहरों के राजहंस

- **लहरों के राजहंस नाटक : कथावस्तु**
- **लहरों के राजहंस नाटक : प्रमुख तथा गौण पात्रों की चरित्रगत विशेषताएँ**
- **लहरों के राजहंस नाटक : संवाद कौशल**
- **लहरों के राजहंस नाटक : उद्देश्य एवं देशकाल वातावरण**
- **लहरों के राजहंस नाटक : रंगमंचीय विशेषताएँ**

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

- आषाढ़ का एक दिन –मोहन राकेश
- आधे अधूरे–मोहन राकेश
- लहरों के राजहंस–मोहन राकेश
- मोहन राकेश रंग शिल्प और प्रदर्शन–जयदेवतनेजा
- मोहन राकेश और उनके नाटक –गिरीश रस्तोगी
- हिंदी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
- हिंदी नाटक – बच्चनसिंह
- नाट्यालोचन –डॉ माधव सोनटक्के
- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच– नेमिचंद्र जैन
- हिंदी नाटक और रंगमंच– पशुपतिनाथ उपाध्याय
- हिंदी नाटक उद्भव और विकास– डॉ लक्ष्मीनारायण लाल
- हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा– डॉ जयदेवतनेजा
- रंग अनरंग– हृषीकेश सुलभ
- रंगमंच का जनतंत्र– हृषीकेश सुलभ
- हिंदी नाटक आज और कल –डॉ जयदेवतनेजा
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच – डॉ. ओम प्रकाश शर्मा

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

- हिंदी नाटक और रंगमंच से छात्रों को अवगत किया गया।
- हिंदी नाटक के स्वरुप और संरचना से परिचय किया गया।
- हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय दिया गया।
- मोहन राकेश के नाटकों के सहारे नाट्यस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि को विकसित किया गया ।
- हिन्दी नाटय साहित्य में मोहन राकेश के योगदान को रेखांकित किया गया ।

--- ||| ---

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

चतुर्थ *सत्र पाठ्यक्रम*

चतुर्थ सत्र : ऑडिट कोर्स पाठ्यक्रम

PG- HIN-AC- 401 हिंदी कम्प्यूटिंग

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- हिंदी कम्प्यूटिंग का समान्य ज्ञान प्राप्त कराना ।
- हिंदी कम्प्यूटिंग के महत्व को उजागर करना ।
- कम्प्युटर प्रबंधन की सामान्य जानकारी देना ।
- इंटरनेट के सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत कराना ।

इकाई - I हिंदी कम्प्यूटिंग : स्वरूप और अवधारणा :-

- हिंदी कम्प्यूटिंग :परिचय
- हिंदी कम्प्यूटिंग: विकास यात्रा
- हिंदी कम्प्यूटिंग के आधारभूत तत्व
- हिंदी कम्प्यूटिंग का वर्तमान स्वरूप तथा भविष्य
- हिंदी कम्प्यूटिंग : बाधाएँ एवं उपाय
- हिंदी कम्प्यूटिंग : युनिकोड
- हार्डवेअर अँड सॉफ्टवेअर

इकाई - II : इंटरनेट सामान्य परिचय :-

- इंटरनेट का ऐतिहासिक परिदृश्य
- इंटरनेट का विकास
- भारत में इंटरनेट का आरंभ
- इंटरनेट से मिलने वाली सुविधाएँ
- इंटरनेट उपयोग एवं महत्व

- **सहायक ग्रंथ सूची :**

१. कम्प्यूटर का सहजबोध - इकबाल मु. अली/सुरेंश सलील

२. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा

३. कम्प्यूटर क्या क्यो और कैसे -रामबंसल 'विद्याचार्य'

४. कम्प्यूटर समान्य ज्ञान एवं युजर गाईड -रामबंसल 'विद्याचार्य'

५. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास -रामबंसल 'विद्याचार्य'

६. माध्यमिक कम्प्यूटर शिक्षा -रामबंसल 'विद्याचार्य'

७. मानव मित्र कम्प्यूटर - प्रशांत भूषण

- **पाठ्यक्रम की उपादेयता :**
  - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों को निम्नाकिंत लाभ हुए :-

    १.छात्रों ने हिंदी कम्प्यूटिंग का समान्य ज्ञान प्राप्त किया ।

    २.हिंदी कम्प्यूटिंग के महत्व को छात्रों ने जाना ।

    ३.छात्रों ने कम्प्युटर प्रबंधन की सामान्य जानकारी प्राप्त की ।

    ४. इंटरनेट के सामान्य परिचय से अवगत होकर छात्रों ने उसके व्यवहारिक उपयोग की कला को आत्मसात किया ।

---------- ॥॥ ----------

एम.हिन्दी स्नातकोत्तर महाविद्यालयीन पाठ्यक्रम : समकक्ष (Equivalence) प्रश्नपत्रों की सूची तालिका

पूराना पाठ्यक्रम	नया पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष : प्रथम सत्र	
प्रश्नपत्र क्र.1 HIN 0111 सामान्य स्तर कथा साहित्य	प्रश्नपत्र क्र.1 PG-HIN 101 मुख्यांश (Core) कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास)
प्रश्नपत्र क्र.2 HIN 0112 विशेष स्तर : आदिकालीन एवं भक्ति कालीन काव्य	प्रश्नपत्र क्र.2 PG-HIN 102 मुख्यांश (Core) आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्यधार
प्रश्नपत्र क्र.3 HIN 0113 विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दांत एंव आलोचना	प्रश्नपत्र क्र.3 PG-HIN 103 मुख्यांश (Core) भारतीय साहित्यशास्त्र के सिध्दांत एंव आलोचना
प्रश्नपत्र क्र.4 HIN 0114 विशेषस्तर वैकल्पिक HIN 0114 (A) विशेष साहित्यकार कबीरदास	प्रश्नपत्र क्र.4 PG-HIN कौशल आधारित वैकल्पिक/ Skill Based / Elective PG-HIN 104 (A) अनुवाद सिध्दांत एवं व्यवहार
HIN 0114 (B) विशेष विधा : आत्मकथा	PG-HIN 104 (B) भारतीय साहित्य
HIN 0114 (C) अन्य अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया	-----॥-----
-----॥-----	PG-AC - 101 Audit Course : Practicing Cleanliness
प्रथम वर्ष : द्वितीय सत्र	
प्रश्नपत्र क्र.5 HIN 0121 सामान्य स्तर : कथेत्तर गद्य साहित्य	प्रश्नपत्र क्र.5 PG-HIN 201 मुख्यांश (Core) कथेत्तर साहित्य (निबंध और व्यंग्य साहित्य)
प्रश्नपत्र क्र.6 HIN 0122 विशेष स्तर : रीतिकालीन काव्य	प्रश्नपत्र क्र.6 PG-HIN 202 मुख्यांश (Core) विमर्शमूलक साहित्य (दलित एवं आदिवासी)
प्रश्नपत्र क्र.7 HIN 0123 विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद	प्रश्नपत्र क्र.7 PG-HIN 203 मुख्यांश (Core) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत तथा वाद
प्रश्नपत्र क्र.8 HIN 0124 विशेष स्तर : वैकल्पिक प्रश्नपत्र क्र.8 HIN 0124(A) आदिवासी विमर्श	प्रश्नपत्र क्र.8 PG-HIN कौशल आधारित वैकल्पिक/ Skill Based / Elective PG-HIN 204 (A) पत्रकारिता एवं वेब पत्रकारिता
प्रश्नपत्र क्र.8 HIN 0124(B) दलित विमर्श	PG-HIN 204 (B) तुलनात्मक साहित्य
प्रश्नपत्र क्र.8 HIN 0124(C) नारी विमर्श	-----॥-----
-----॥-----	PG-AC – 201/202/203/204 Audit Course (Personality & Cultural Development Related)
द्वितीय वर्ष : तृतीय सत्र	
प्रश्नपत्र क्र.9 HIN 0231 सामान्य स्तर : महाकाव्य खण्डकाव्य	प्रश्नपत्र क्र.9 PG-HIN 301 आधुनिक काव्य : महाकाव्य और खण्डकाव्य
प्रश्नपत्र क्र.10 HIN 0232 विशेष स्तर : भाषा विज्ञान	प्रश्नपत्र क्र.10 PG-HIN 302 हिन्दी भाषा तथा भाषा विज्ञान
प्रश्नपत्र क्र.11 HIN 0233 विशेष स्तर : हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल	प्रश्नपत्र क्र.11 PG-HIN 303 हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल
प्रश्नपत्र क्र.12 HIN 0234 विशेष स्तर : वैकल्पिक HIN 0234 (A) हिन्दी आलोचना	प्रश्नपत्र क्र.12 PG-HIN कौशल आधारित वैकल्पिक/ Skill Based / Elective PG-HIN 304 (A) भाषा प्राद्योगिकी
HIN 0234 (B) लोक साहित्य	PG-HIN 304 (B) लोक साहित्य
HIN 0234 (C) हिन्दी पत्रकारिता	-----॥-----
-----॥-----	PG-AC – 301/302/303/304 (Technology + Value added course) PG-HIN- AC – 301 सर्जनात्मक लेखन
द्वितीय वर्ष : चतुर्थ सत्र	
प्रश्नपत्र क्र.13 HIN 0241 सामान्य स्तर : काव्य नाटक एवं नई कविता	प्रश्नपत्र क्र.13 PG-HIN 401 आधुनिक काव्य : लंबी कविताएँ एवं ग़ज़ल
प्रश्नपत्र क्र.14 HIN 0242 विशेष स्तर : हिन्दी भाषा	प्रश्नपत्र क्र.14 PG-HIN 402 अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया
प्रश्नपत्र क्र.15 HIN 0243 विशेष स्तर : हि न्दी साहित्य का आधुनिक काल	प्रश्नपत्र क्र.15 PG-HIN 403 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
प्रश्नपत्र क्र.16 HIN 0244 विशेष स्तर : वैकल्पिक HIN 0244 (A) मीडिया लेखन	प्रश्नपत्र क्र.16 PG-HIN कौशल आधारित वैकल्पिक/ Skill Based / Elective PG-HIN 404 (A) विशेष साहित्यकार- डॉ.शंकर पुणतांबेकर
HIN 0244 (B) प्रयोजनमूलक हिन्दी	PG-HIN 404 (B) वि शेष साहित्यकार- मोहन राकेश
HIN 0244(C) अनुवाद विज्ञान	-----॥-----
-----॥-----	PG-AC – 401/402/403/404 (Technology + Value added course) PG-HIN- AC – 401 हिंदी कम्प्यूटिंग

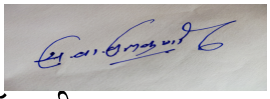

डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी
अध्यक्ष- हिन्दी अध्ययन मंडल,
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,जलगाँव